ISSN 2454-2695
Volume 03 Issue 07
July 2017

दमन-ए-उम्मीद

तृप्ति कुमारी

जरुर बदलेगी हालत
बदलेगी अपनी किस्मत
हार नहीं मानव हिम्मत
कर अपने मेहनत से मोहब्बत
रख खुद पे उम्मीद
सुनेगा खुदा फरयाद
रहोगे कबतक आखिर
हालात के हाथों मजबूर
बदलेगी किस्मत जरुर
प्रभु करेंगे दया
समय की बदलेगी माया
मिलेगा इश्वर का आशीर्वाद
हो जाओगे एक दिन आबाद

ISSN 2454-2695
Volume 03 Issue 07
July 2017

ऊपर वाला निचे वाले का
सुनता है पुकार
कर समय का इंतजार
न होना कभी नाउम्मीद
न छोड़ना दमन-ए-उम्मीद